



ADANI GROUP COMPILED MEDIA REPORT
26 Feb, 2025 – 27 Feb, 2025

Gautam Adani reflects on Maha Kumbh, recalls “special experience”

 **Total Mention 48**

 Print	Financial	Mainline	Regional	Periodical
8	N/A	1	7	N/A

 Online

40

 Print

No	Newspaper	Headline	Edition	Pg
1.	Yugmarg	Gautam Adani reflects on Maha Kumbh , recalls ^special experience^	Chandigarh	10
2.	Dainik Savera	Mahakumabh seva ke baad Gautam Adani bole - Tera tujhko arpan	Chandigarh	2
3.	Dainik Navajyoti	After Maha Kumbh Seva, Gautam Andani said- I dedicate myself to you	Jaipur	11
4.	Divya Himachal	Gautam Adani ne de Mahashivratri ki shubkamlaye	Chandigarh	3
5.	Punjab Kesari	Gautam Adani said - Tera Tujko arpan	Chandigarh	5
6.	Dainik Jagran	Unique experience of service in Maha Kumbh	Kanpur + 1	14
7.	Nai Duniya	Unique experience of service in Mahakumbh	Indore	8
8.	Amar Bharati	After Maha Kumbh Seva, Gautam Adani said- I dedicate myself to you	Lucknow	12

Yugmarg • 27 Feb • Adani Group

Gautam Adani reflects on Maha Kumbh , recalls ^special experience^

10 • PG

179 • Sqcm

37082 • AVE

185K • Cir

Middle Center

Chandigarh

Gautam Adani reflects on Maha Kumbh, recalls “special experience”



Chandigarh: Industrialist Gautam Adani shared his reflections on the Maha Kumbh Mela and expressed his gratitude for being able to serve lakhs of devotees at the religious gathering. While recalling his Prayagraj visit on 21 January, he wrote about an experience that was particularly special for him. “I still remember that emotional moment when I was distributing Aarti Sangrah in the camp of Gita Press near Lete Hanuman Temple

in Prayagraj. An old lady, about 80 years of age, came to me through the crowd and blessed me by placing her hand on my head. What I felt at that moment was beyond words – a deep spiritual touch, which I will cherish throughout my life. For me, service is not just an action, but a prayer resonating in my heart - a prayer that always keeps me grounded in humility and dedication,” Gautam Adani wrote in the country’s largest Hindi daily.

During his visit with his family, Gautam Adani distributed Mahaprasad and Aarti Sangrah among the devotees at the Maha Kumbh.

The Adani Group had joined hands with the International Society for Krishna Consciousness (ISKCON) to serve meals among devotees at the Maha Kumbh Mela. The Adani Group had also collaborated with Gita Press for the distribution of copies of Aarti Sangrah (a collection of hymns) among the devotees. Apart from this, free golf cart services were organised for the elderly, women and children at the Maha Kumbh.

Dainik Savera • 27 Feb • Adani Group

Mahakumbh seva ke baad Gautam Adani bole –Tera tujhko arpan

2 • PG

186 • Sqcm

44644 • AVE

40.03K • Cir

Middle Left

Chandigarh

महाकुंभ सेवा के बाद गौतम अडाणी बोले-तेरा तुझको अर्पण

सवेरा न्यूज/स.ह.,
चंडीगढ़, 26 फरवरी : देश
और दुनिया के जानेमाने
उद्योगपति गौतम अडाणी ने
महाकुंभ की समाप्ति पर
अपने अनुभव देश के साथ
साझा किए। उन्होंने महाकुंभ
में अपने सेवा कार्य को 'तेरा
तुझको अर्पण' की भावना से
किया गया काम बताया।
उन्होंने देश भर को



महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देने के साथ ही देश के सबसे बड़े हिंदी
दैनिक में लिखा कि मेरा मानना है कि जीव मातृ की सेवा ही ईश्वर के
साक्षात्कार का श्रेष्ठ मार्ग है। महाकुंभ 'तेरा तुझको अर्पण' की भावना को
साकार करने का अवसर देता है, जहां हम जननी जन्मभूमि से प्राप्त सब कुछ
उसे समर्पित कर सकते हैं। लाखों श्रद्धालुओं की सेवा करके हम स्वयं को
धन्य मानते हैं। वास्तव में, सेवा करने वाला नहीं, बल्कि सेवा ग्रहण करने
वाला ही हमें परमात्मा तक पहुंचने का अवसर देता है। ऐसे हमें जिन भाई-
बहनों और संतजनों की सेवा करने का पुण्य प्राप्त हुआ उन्हें करबद्ध नमन।

Dainik Navajyoti • 27 Feb • Adani Group

After Maha Kumbh Seva, Gautam Andani said- I dedicate myself to you

11 • PG

333 • Sqcm

786169 • AVE

982.16K • Cir

Middle Right

Jaipur

महाकुंभ सेवा के बाद गौतम अदाणी बोले- तेरा तुझको अर्पण

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। देश और दुनिया के जानेमाने उद्योगपति गौतम अदाणी ने महाकुंभ की समाप्ति पर अपने अनुभव देश के साथ साझा किए। उन्होंने महाकुंभ में अपने सेवा कार्य को 'तेरा तुझको अर्पण' की भावना से किया गया काम बताया। उन्होंने देश भर को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देने के साथ ही देश के सबसे बड़े हिंदी दैनिक में लिखा कि मेरा मानना है कि जीव मात्र की सेवा ही ईश्वर के साक्षात्कार का श्रेष्ठ मार्ग है। महाकुंभ 'तेरा तुझको अर्पण' की भावना को साकार करने का अवसर देता है, जहां हम जननी जन्मभूमि से प्राप्त सब कुछ उसे समर्पित कर सकते हैं। लाखों श्रद्धालुओं की सेवा करके हम स्वयं को धन्य मानते हैं। वास्तव में, सेवा करने वाला नहीं, बल्कि सेवा ग्रहण करने वाला ही हमें परमात्मा तक पहुंचने का अवसर देता है। ऐसे हमें जिन भाई-बहनों और संतजनों की सेवा करने का पुण्य प्राप्त हुआ उन्हें करबद्ध नमन। बता दें कि अदाणी समूह में महाकुंभ



के मौके पर इस्कॉन के साथ हाथ मिलाकर प्रतिदिन एक लाख श्रद्धालुओं में महाप्रसाद वितरण का सेवा का संकल्प लिया था।

अदाणी समूह ने की खास पहल

अदाणी समूह ने इस बार अपने कर्मचारियों के लिए भी महाकुंभ को लेकर एक खास पहल की थी। गौतम अदाणी इसके बारे में बताते हुए लिखते हैं, इस महाकुंभ के दौरान अदाणी परिवार में एक अनोखा प्रयोग किया गया। हमने परिवार के सदस्यों को महाकुंभ में अपनी सेवाएं देने के लिए

ऑनलाइन आवेदन करने का विकल्प दिया और कुछ ही घंटों में हजारों सदस्यों ने इस पवित्र कार्य के लिए खुद को समर्पित कर दिया। परिणामस्वरूप, अदाणी परिवार के 5000 से अधिक सदस्यों को श्रद्धालुओं और कल्पवासियों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। है। कुंभ जैसे महाआयोजन में सेवा के माध्यम से उन्होंने मैनेजमेंट, लीडरशिप, क्राइसिस हैंडलिंग और टीमवर्क जैसे व्यावहारिक पाठ सीखे, जो उन्हें एक बेहतर प्रबंधक ही नहीं, बेहतर इंसान भी बनाएगा।

गौतम अदाणी ने याद किया वृद्ध महिला को

गौतम अदाणी ने 21 जनवरी 2025 को परिवार के साथ प्रयागराज की यात्री की और महाकुंभ में स्नान एवं पूजन किया। इस दौरान उन्होंने इस्कॉन में महाप्रसाद और गीताप्रेस के पंडाल में आरती संग्रह का वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने एक वृद्ध महिला से अपनी मुलाकात को याद किया।

वह लिखते हैं, मुझे अब भी वह भावपूर्ण क्षण याद है जब मैं प्रयागराज के लैटे हनुमान मंदिर के पास गीता प्रेस के शिविर में आरती संग्रह वितरित कर रहा था। तभी लगभग 80 वर्ष की एक वृद्ध मां भीड़ को चीरते हुए मेरे पास आई और मेरे सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। उस पल जो अनुभूति हुई, वह शब्दों से परे थी, एक गहरा आत्मिक स्पर्श जिसे मैं जीवन भर संजोकर रखूंगा। मेरे लिए सेवा केवल एक कर्म नहीं, बल्कि अंतर्मन में गूंजने वाली प्रार्थना है, एक ऐसी प्रार्थना जो सदा विनम्रता और समर्पण के धरातल से जोड़े रखती है। बता दें कि इस महाकुंभ में अदाणी समूह ने श्रद्धालुओं की सेवा के लिए इस्कॉन के साथ हाथ मिलाकर प्रतिदिन एक लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराने और गीताप्रेस गोरखपुर के साथ मिलाकर एक करोड़ आरती संग्रह वितरित करने का संकल्प लिया था। इसके अलावा अदाणी समूह की तरफ से वृद्ध महिलाओं और बच्चों के लिए मुफ्त गॉल्फकार्ट सेवा भी चलाई गई थी।

Divya Himachal • 27 Feb • Adani Group
Gautam Adani ne de Mahashivratri ki shubkamlaye

3 • PG

278 • Sqcm

93232 • AVE

352K • Cir

Middle Left

Chandigarh

गौतम अदानी ने दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

चंडीगढ़। देश और दुनिया के जानेमाने उद्योगपति गौतम अदानी ने महाकुंभ की समाप्ति पर अपने अनुभव देश के साथ साझा किए। उन्होंने महाकुंभ में अपने सेवा कार्य को तेरा तुझको अर्पण की भावना से किया गया काम बताया। उन्होंने देश भर को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देने के साथ ही देश के सबसे बड़े हिंदी दैनिक में लिखा कि मेरा मानना है कि जीव मात्र की सेवा ही ईश्वर के साक्षात्कार का श्रेष्ठ मार्ग है। महाकुंभ तेरा तुझको अर्पण की भावना को साकार करने का अवसर देता है, जहां हम जननी जन्मभूमि से प्राप्त सब कुछ उसे समर्पित कर सकते हैं। लाखों श्रद्धालुओं की सेवा करके हम स्वयं को धन्य मानते हैं। वास्तव में सेवा करने वाला नहीं, बल्कि सेवा ग्रहण करने वाला ही हमें परमात्मा तक पहुंचने का अवसर देता है।

Punjab Kesari • 27 Feb • Adani Group
Gautam Adani said – Tera Tujko arpan

5 • PG

60 • Sqcm

55847 • AVE

867.98K • Cir

Bottom Center

Chandigarh

गौतम अदाणी बोले- तेरा तुझको अर्पण

चंडीगढ़, 26 फरवरी (दीपेंद्र):
गौतम अदाणी ने महाकुंभ की समाप्ति पर अपने अनुभव देश के साथ साझा किए। उन्होंने महाकुंभ में अपने सेवा कार्य को 'तेरा तुझको अर्पण' की भावना से किया गया काम बताया। उनका कहना है, मेरा मानना है कि जीव मात्र की सेवा ही ईश्वर के साक्षात्कार का श्रेष्ठ मार्ग है। महाकुंभ 'तेरा तुझको अर्पण' की भावना को साकार करने का अवसर देता है, जहां हम जननी जन्मभूमि से प्राप्त सब कुछ उसे समर्पित कर सकते हैं।

महाकुंभ में सेवा का अनुपम अनुभव



बौद्ध आदर्श
(बौद्ध धर्म, आदर्श समूह)

सभी लोग वही है, जो मिस्टर
जब से वही जाए और मिस्टर
सबसे ज्यादा वह है
मिस्टर

महानिर्वाण का प्राप्ति अवसर २५ दिनों तक चलने वाले महासुषुप्ति को चतुर्दशी का दिन भी है। महासुषुप्ति न केवल विश्व और मनुष्य के दिव्य शक्ति का प्रतीक है, बल्कि यह आयुर्वेद, यौन और लोकसाहित्य के अग्रणी को जन्म में आयुष्मत् करने का सुषु अवसर भी है। प्रायः को अष्टमया ही विराहोत्सव का दिन घोषित किया है, जो विराहोत्सव प्रायः से जो लग्न और विवाह समस्त समाज का दिन बनित हो। जो महासुषुप्ति विषय को अपने मंत्र में धारण कर समस्त सृष्टि को स्पर्श के लिए जीवोन्मत्त बन जा, यही दिव्य विराहोत्सव सेवक के दाय्य प्रतीक है।

मध्यस्थ और निरुपेक्षित
आध्यात्मिक अनुभवों से परिपूर्ण
हय, जिसमें सेवा का अनुभव
सबसे महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है

कि जैव मात्र को सेवा हो ईश्वर के साहाय्य का फल प्राप्त हो। मनुष्य सेवा मुद्राओं अर्थात् को भावना को साकार करने का अवसर देता है, जहाँ हम लक्ष्मी अम्बुतुल्य को सेवा करने के सर्व को धन मानते हैं। अस्तित्व में सेवा करने वाला नहीं, बल्कि सेवा प्राप्त करने वाला ही हमें परमात्मा तक पहुँचने का अवसर देता है। इस एक बड़े अम्बुतुल्य के साथ-साथ मुझे भी परिवार समेत प्रवासात्मा जलकर

रंगा के पतन पाने और अनुभूति एवं अद्वितीय मन्त्रकुम्भ का शिखर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रकाशराज जाकर ऐसा लग्य, मन्त्रे पुरे दुनिया को असर, सेवाभाव और संस्कृतिवादी धर्म में रंगा की मोद में सम्पन्नित हो गई हैं। यह सिर्फ एक धार्मिक अवरोधन नहीं, बल्कि आत्मा की हर रंगे काव्य अनुभव है।

समूहों को लेकर अपने पूर्वजों को अनुप्रेषित पर विचार करना हो तो हर्षवर्धन जैसे महान राजाओं की सेवा और त्याग की परंपरा स्मरण होती है, जिन्होंने अनेक संघर्षों का दण्ड कर दिया। यह निश्चय है कि राजाओं में निश्चय से सेवा परंपरा कितनी पुरानी है। आज भी कहीं-कहीं यशस्वी सभी समर्थन प्राप्त है। आज ही - अमेरिका-नवीन, सायु-सैन, नवीनोत्थान या प्रेमसाथी - भी सेवा की ओर से सभी समर्थन है।

करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का यह अद्वितीय संघम केवल संसार में ही बना नहीं, बल्कि प्रभाव में भी अनुपम है। जब इतने लोग श्रद्धा और सौक के भाव से एकत्र होते हैं



ये सब केवल एक अवरोधन नहीं, बल्कि जीवजगत् का अद्वितीय मिशन बना जाता है। मनुष्यकर्म के दीन अवरोधन परिवर्तन ने ही अनेक प्रयोग किए। हमने परिवर्तन के सत्यनों को मनुष्यकर्म में अन्तरी संस्था देने के लिए आत्मदान अर्पण करने का विधायन किए और कुछ ही वर्षों में हजारों सत्यनों ने इस चक्र चाले के लिए खुद को समर्पित कर दिया। परिवर्तनकर्म अनेक परिवर्तन के 5,000 से अधिक सत्यनों को प्रवृत्त और कार्यवासी को सेवा करने का जीवन प्राप्त हुआ। हम अनुभव मान्यकर्म को सेवा का सुसुप्त मोक्ष ले था ही, इनने विशाल अवरोधन के प्रबंधन और विधियन विधियों के समन्वय को निरुद्ध से समन्वये से समन्वये को ही अप्रसर था।

संघ के माध्यम से मैनेजमेंट एडवॉकेट, प्रदाता हैंडलिंग और टोमबर्क जैसे व्यावहारिक पाठ सीखें, जो इनके केंद्र प्रबंधक हो सकते हैं, केंद्र द्वारा भी बनाया।

अनुभव न केवल इन सभी के लिए, बल्कि अगले सत्रों की कार्यशाला के लिए भी परिचर्चाकारी सिद्ध होगा। "मर सेव ही महत्वा सेव" के भाव को अत्यन्त सरल तरीके से न केवल सेवक का पुण्य लेकर पीछे, बल्कि एक नई दृष्टि और अनुभव भी साथ लेकर आए।

महर्षि के पास अवसर पर अज्ञानी शत्रु ने इन्द्राक्ष के लक्ष्य में टैंक-पिस्तौल से एक बटुआ के लिए मरदाना देना का संकल्प लिया। इतिहास एक लख बटुआओं को चोरी करके शत्रु का लक्ष्य रखा था, लेकिन वह भी वह लक्ष्य इससे नहीं उल्टे चढ़ा। इन्द्राक्ष ने कुछ ही दिनों में विश्वनाथन रावों और विजयलक्ष्मी सुमतिन चव्वा, जिन्हें श्रीमती प्रमलदेव एक रिज अनुभव था। इन्द्राक्ष ने जब भी इन्द्राक्ष की मायालक्ष्य सेब और गंगा में के लक्ष्यो ने अज्ञानी सेब के विजय में भव लिया तो वह एक अल्पविक्रम परिवार का विजय बहाल गया था। इन्द्राक्ष

सोला प्रेस और अग्रणी पाँचकर के हाथों सदस्यों ने मिलकर 'सिंधी तेल साखन' के बीज को सिंधी किया। मुझे अक्सर यह भावपूर्ण क्षण याद है, जब मैं इसप्रकार के लेखनमयमयरी के पास सोला प्रेस के निर्माण में अग्रणी साखन विचारक बन रहा था। तभी लगभग 80 वर्ष की एक कृष्ण माँ भीड़ को घेरती हूँ, मेरे पास आई और मैंने फिर पर लक्ष्य प्रकाशक अखिरीकृत किया। उस पल ने अनुभूति हुई, वह शब्दों से परे थी - एक सख्त साखन प्रयत्न, जिसे मैं जीवनकाल सोलोकन रहूँगा। मेरे लिए सोला केवल एक कर्म नहीं, बल्कि अंतर्मुख में मुझे जलाने वाले प्रयत्न है-क्या देखें प्रयत्न से सारा निमग्नता और समर्पण के घरायश से लेने रहती है।

महाराज काही शेक महाराज से
हम अकेले नहीं थे। साधु-संतों और
कारकायों की सैन्य जवान-प्रशस्त,
विजय बंदर, बख्शदा कर्मी,
मुक्ति बंद, सभी का र्व और
सामर्थ्य काकाय से प्रशस्त थे।
सा जहाँ वो जायगा, वो, जिससे
इस किताब अजोयन को सुख
अकाय। उनकी संवेदनशीलता और
सामर्थ्य ने महाराज के अनुभव को
दिखा और भयज बांधा और।
आने हो महाराज को सब समझ हो
या हो, लेकिन इन्होंने हमें किसी
सेब का गला नहीं और नसा
दुष्टिबल दिया। हमारे लिए सेब का
महाराज सा जहाँ लगे, कहीं भी
सा महाराज ही सेब हो।
हैं, सेब हो प्रार्थना है और सेब हो
परमात्मा है।

Nai Duniya • 26 Feb • Adani Group
Unique experience of service in Mahakumbh

8 • PG

415 • Sqcm

639705 • AVE

382.23K • Cir

Top Right

Indore

महाकुंभ में सेवा का अनुपम अनुभव



गौतम अदानी
(चेयरमैन, अदानी समूह)

सच्ची सेवा वही है, जो निःस्वार्थ
भाव से की जाए और जिसमें
समस्त मानवता का हित
निहित हो

महाशिवरात्रि का पावन अवसर 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ की पूर्णाहुति का दिन भी है। महाशिवरात्रि न केवल शिव और शक्ति के दिव्य मिलन का पर्व है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, भक्ति और लोककल्याण के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का शुभ अवसर भी है। शिव की आराधना हमें सिखाती है कि सच्ची सेवा वही है, जो निःस्वार्थ भाव से की जाए और जिसमें समस्त मानवता का हित निहित हो। जो कालकूट विप को अपने कंठ में धारण कर समस्त सृष्टि की रक्षा के लिए नीलकंठ बन गए, वही शिव निःस्वार्थ सेवा के परम प्रतीक हैं।

महाकुंभ मेरे लिए अनंत आध्यात्मिक अनुभवों से परिपूर्ण रहा, जिसमें सेवा का अनुभव सबसे मूल्यवान है। मेरा मानना है

कि जीव मात्र की सेवा ही ईश्वर के साक्षात्कार का श्रेष्ठ मार्ग है। महाकुंभ 'तेरा तुझको अर्पण' की भावना को साकार करने का अवसर देता है, जहां हम लाखों श्रद्धालुओं की सेवा करके स्वयं को धन्य मानते हैं। वास्तव में सेवा करने वाला नहीं, बल्कि सेवा ग्रहण करने वाला ही हमें परमात्मा तक पहुंचने का अवसर देता है। इस वर्ष करोड़ों श्रद्धालुओं के साथ-साथ मुझे भी परिवार समेत प्रयागराज जाकर मां गंगा के दर्शन पाने और अद्भुत एवं अद्वितीय महाकुंभ का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रयागराज जाकर ऐसा लगा, मानो पूरी दुनिया की आस्था, सेवाभाव और संस्कृतियां यहीं मां गंगा की गोद में समाहित हो गई हैं। यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा को छू लेने वाला अनुभव है।

महाकुंभ को लेकर अपने पूर्वजों की अंतर्दृष्टि पर विचार करता हूँ तो हर्षवर्धन जैसे महान शासकों की सेवा और त्याग की परंपरा स्मरण होती है, जिन्होंने अपना सर्वस्व दान कर दिया। यह दिखाता है कि भारतवर्ष में निःस्वार्थ सेवा परंपरा कितनी पुरानी है। आज भी करोड़ों श्रद्धालु उसी समर्पण भाव से यहां आते हैं— अमीर-गरीब, साधु-संत, नौकरीपेशा या व्यवसायी – मां गंगा की गोद में सभी समान हैं। 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का यह अद्वितीय संगम केवल संख्या में ही बड़ा नहीं, बल्कि प्रभाव में भी अनुपम है। जब इतने लोग श्रद्धा और सेवा के भाव से एकत्र होते हैं



तो यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि जीवात्माओं का अद्वितीय मिलन बन जाता है। महाकुंभ के दौरान अदानी परिवार ने एक अनोखा प्रयोग किया। हमने परिवार के सदस्यों को महाकुंभ में अपनी सेवाएं देने के लिए आनलाइन आवेदन करने का विकल्प दिया और कुछ ही घंटों में हजारों सदस्यों ने इस पवित्र कार्य के लिए खुद को समर्पित कर दिया। परिणामस्वरूप अदानी परिवार के 5,000 से अधिक सदस्यों को श्रद्धालुओं और कल्याणियों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह अनुभव मानवता की सेवा का सुनहरा मौका तो था ही, इतने विशाल आयोजन के प्रबंधन और विभिन्न विभागों के समन्वय को निकट से समझने और सीखने का भी अवसर था।

सेवा के माध्यम से मैनेजमेंट, लीडरशिप, क्राइसिस हैंडलिंग और टीमवर्क जैसे व्यावहारिक पाठ सीखें, जो उन्हें बेहतर प्रबंधक ही नहीं, बेहतर ईसान भी बनाएगा। यह

अनुभव न केवल इन सभी के लिए, बल्कि अदानी समूह की कार्यशैली के लिए भी परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के भाव को आत्मसात करते हुए वे न केवल सेवा का पुण्य लेकर लौटें, बल्कि एक नई दृष्टि और अनुभव भी साथ लेकर आए।

महाकुंभ के पावन अवसर पर अदानी समूह ने इस्कान के सहयोग से देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं के लिए महत्प्रसाद सेवा का संकल्प लिया। प्रतिदिन एक लाख श्रद्धालुओं को भोजन प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया, लेकिन सेवा की यह लहर इससे कहीं आगे बढ़ी। इस्कान ने कुछ ही दिनों में विश्वस्तरीय रसोई और वितरण प्रणाली स्थापित कर दी, जिसका हिस्सा बनना एक दिव्य अनुभव था। प्रयागराज में जब मैंने इस्कान की महत्प्रसाद सेवा और गीता प्रेस के सहयोग से आरती संग्रह के वितरण में भाग लिया तो यह एक आध्यात्मिक परिवार का हिस्सा बनने जैसा था। इस्कान,

गीता प्रेस और अदानी परिवार के हजारों सदस्यों ने मिलकर 'सेवा ही साधना है' के मंत्र को सिद्ध किया। मुझे अब भी वह भावपूर्ण क्षण याद है, जब मैं प्रयागराज के लेटे हनुमान मंदिर के पास गीता प्रेस के शिविर में आरती संग्रह वितरित कर रहा था। तभी लगभग 80 वर्ष की एक वृद्ध मां भीड़ को चीरते हुए मेरे पास आईं और मेरे सिर पर हथ रखकर आशीर्वाद दिया। उस पल जो अनुभूति हुई, वह शब्दों से परे थी – एक गहरा आत्मिक स्पर्श, जिसे मैं जीवनभर संजोकर रखूंगा। मेरे लिए सेवा केवल एक कर्म नहीं, बल्कि अंतर्मन में गुंजने वाली प्रार्थना है—एक ऐसी प्रार्थना जो सदा विनम्रता और समर्पण के धरातल से जोड़े रखती है।

महाकुंभ रूपी सेवा महायज्ञ में हम अकेले नहीं थे। साधु-संतों और कल्पवासियों समेत शासन-प्रशासन, विभिन्न संस्थान, स्वच्छता कर्मी, पुलिस बल, सभी का धैर्य और समर्पण वास्तव में प्रशंसनीय था। यह उन्हीं की तपस्या थी, जिसने इस विशाल आयोजन को सुगम बनाया। उनकी संवेदनशीलता और समर्पण ने महाकुंभ के अनुभव को और भी दिव्य और भव्य बना दिया। भले ही महाकुंभ का पर्व समाप्त हो रहा हो, लेकिन इसने हमें निःस्वार्थ सेवा का गहरा दर्शन और नया दृष्टिकोण दिया। हमारे लिए सेवा का महापर्व सदा जारी रहेगा, क्योंकि मैं यह मानता हूँ कि सेवा ही साधना है, सेवा ही प्रार्थना है और सेवा ही परमात्मा है।

Amar Bharati • 26 Feb • Adani Group

After Maha Kumbh Seva, Gautam Adani said- I dedicate myself to you

12 • PG

1062 • Sqcm

0 • AVE

N/A • Cir

Top

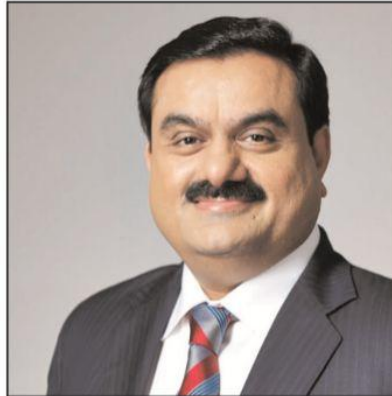
Lucknow

महाकुम्भ सेवा के बाद गौतम अदाणी बोले- तेरा तुझको अर्पण

अमर भारती संवाददाता

महाकुम्भनगर। देश और दुनिया के जाने माने उद्योगपति गौतम अदाणी ने महाकुम्भ की समाप्ति पर अपने अनुभव देश के साथ साझा किए। उन्होंने महाकुम्भ में अपने सेवा कार्य को 'तेरा तुझको अर्पण' की भावना से किया गया काम बताया। उन्होंने देश भर को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देने के साथ ही लिखा कि मेरा मानना है कि जीव मात्र की सेवा ही ईश्वर के साक्षात्कार का श्रेष्ठ मार्ग है। महाकुम्भ 'तेरा तुझको अर्पण' की भावना को साकार करने का अवसर देता है, जहाँ हम जननी जन्मभूमि से प्राप्त सब कुछ उसे समर्पित कर सकते हैं। लाखों श्रद्धालुओं की सेवा करके हम स्वयं को धन्य मानते हैं। वास्तव में, सेवा करने वाला नहीं, बल्कि सेवा ग्रहण करने वाला ही हमें परमात्मा तक पहुँचने का अवसर देता है। ऐसे हमें जिन भाई-बहनों और संतजनों की सेवा करने का पुण्य प्राप्त हुआ उन्हें करबद्ध नमन। बता दें कि अदाणी समूह में महाकुम्भ के मौके पर इस्कॉन के साथ हाथ मिलाकर प्रतिदिन 1 लाख श्रद्धालुओं में महाप्रसाद वितरण का सेवा का संकल्प लिया था।

अदाणी समूह ने इस बार अपने



● **अदाणी समूह ने इस्कॉन के साथ महाकुम्भ में प्रतिदिन 1 लाख श्रद्धालुओं में महाप्रसाद वितरण का लिया था संकल्प**

कर्मचारियों के लिए भी महाकुम्भ को लेकर एक खास पहल की थी। गौतम अदाणी इसके बारे में बताते हुए लिखते हैं कि इस महाकुम्भ के दौरान अदाणी परिवार में एक अनोखा प्रयोग किया गया। हमने परिवार के सदस्यों को महाकुम्भ में अपनी सेवाएं देने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का विकल्प दिया, और कुछ ही घंटों में हजारों सदस्यों ने इस पवित्र कार्य के लिए खुद को समर्पित कर दिया। परिणामस्वरूप, अदाणी परिवार के 5000 से अधिक सदस्यों को

श्रद्धालुओं और कल्पवासियों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। है। कुम्भ जैसे महान आयोजन में सेवा के माध्यम से उन्होंने मैनेजमेंट, लीडरशिप, क्राइसिस हैंडलिंग, और टीमवर्क जैसे व्यावहारिक पाठ सीखे, जो उन्हें एक बेहतर प्रबंधक ही नहीं, बेहतर इंसान भी बनाएगा।

अदाणी ने वृद्ध महिला को किया याद

गौतम अदाणी ने 21 जनवरी 2025 को परिवार के साथ प्रयागराज की यात्री की और महाकुम्भ में स्नान एवं पूजन किया। इस दौरान उन्होंने इस्कॉन में महाप्रसाद और गीताप्रेस के पंडाल में आरती संग्रह का वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने एक वृद्ध महिला से अपनी मुलाकात को याद किया। वह लिखते हैं - मुझे अब भी वह भावपूर्ण क्षण याद है जब मैं प्रयागराज के लेटे हनुमान मंदिर के पास गीता प्रेस के शिविर में आरती संग्रह वितरित कर रहा था। तभी लगभग 80 वर्ष की एक वृद्ध मां भीड़ को चीरते हुए मेरे पास आईं और मेरे सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। उस पल जो अनुभूति हुई, वह शब्दों से परे थी - एक गहरा आत्मिक स्पर्श, जिसे मैं जीवन भर संजोकर रखूंगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक शैलेन्द्र कुमार जैन द्वारा 406-बी, कसमण्डा रीजेंट अपार्टमेंट, पार्क रोड, लखनऊ-2; लखनऊ न्यायालय होगा। सम्पर्क -7835064303, 7835064305, 8707876755 E-mail:

 Online Coverage

No	Portal Name	Headline (Incorporated with URL)	Reach
1.	Ndtv	"Deep Spiritual Touch": Gautam Adani Recalls Elderly Woman"s Blessing At Kum bh	111.1M
2.	Ndtv	"Whole Universe In Motion...": Gautam Adani Shares Wishes, Video On Maha Shi vrat...	102.6M
3.	Ndtv	"Deep Spiritual Touch": Gautam Adani Recalls Elderly Woman"s Blessing At Kum bh	102.6M
4.	Ndtv	Gautam Adani ने Mahakumbh में सेवा के अनुभव को किया साझा, बोले - तेरा तुझको अर्प...	50.6M
5.	Ndtv	महाकुंभ सेवा के बाद गौतम अदाणी बोले -तेरा तुझको अर्पण	50.6M
6.	Dainik Jagran	महाकुंभ का दर्शन, तेरा तुझको अर्पण... महाकुंभ में सेवा का अनुपम अनुभव	40.5M
7.	Sandesh	Mahakumbhના સમાપન બાદ Gautam Adaniના સેવાભાવના સંસ્મરણો કહ્યું, "તેરા તુજકો અર્...	5.7M
8.	Keralakaumudi.com/en	Gautam Adani reflects on Maha Kumbh, recalls "special experience"	4.4M
9.	24 Online	'तेरा तुझको अर्पण', महाकुंभ सेवा के बाद Gautam Adani ने देशवासियों से शेयर किए ...	2.9M
10.	24 Online	Gautam Adani Reflects On Maha Kumbh, Recalls "Special Experience"	2.9M
11.	Organiser	Gautam Adani reflects on Mahakumbh, recalls "special experience"	1.2M
12.	ABP Live	Mahakumbh 2025: ઉદ્યોગપતિ ગૌતમ અદાણીએ જણાવ્યો મહાકુંભનો કિસ્સો, કહ્યું- તે ક્ષણ ...	1M
13.	Newstrack	Gautam Adani: महाकुंभ सेवा के बाद गौतम अदाणी बोले - सेवा कार्य 'तेरा तुझको अर्पण...	809.7K
14.	rajasthan.ndtv.in	गौतम अदाणी ने साझा किया महाकुंभ का अनुभव, सेवा के बाद कहा- 'तेरा तुझको अर्पण'	354.7K
15.	Odisha Diary	Gautam Adani reflects on Maha Kumbh, recalls "special experience"	100.9K
16.	www.suryodaybharat.com	महाकुंभ सेवा पर बोले गौतम अदाणी : तेरा तुझको अर्पण	100.9K
17.	News X	Gautam Adani Reflects On Maha Kumbh, Recalls "Special Experience"	38.5K
18.	Samachar Plus	महाकुंभ सेवा के बाद गौतम अदाणी बोले – तेरा तुझको अर्पण	28.5K
19.	Ink Quest	"बहु गहरा आत्मिक स्पर्श, जिसे मैं जीवन भर संजोकर रखूंगा" गौतम अदाणी ने महाकुंभ ...	N/A
20.	News89	"Whole Universe In Motion...": Gautam Adani Shares Wishes On Maha Shivratri	N/A
21.	Prabhu Kvn	"Deep Spiritual Touch": Gautam Adani Recalls Elderly Woman"s Blessing At Kum bh	N/A
22.	NDTV Madhya Pradesh Chhattisgarh	महाकुंभ सेवा के बाद गौतम अदाणी ने साझा किए अनुभव, बूढ़ी मां से मिले आशीर्वाद को ...	N/A
23.	Global Bharat TV	जानेमाने उद्योगपति गौतम अदाणी ने महाकुंभ की समाप्ति पर साझा किए अनुभव, बोले- "...	N/A
24.	Bolchhattisgarh	गौतम अदाणी ने महाकुंभ में सेवा के अनुभव को किया साझा, बोले – तेरा तुझको अर्पण	N/A

25.	Odisha Stand	Gautam Adani reflects on Maha Kumbh, recalls “special experience”	N/A
26.	Odisha Haat	Gautam Adani reflects on Maha Kumbh, recalls “special experience”	N/A
27.	Khabarchalisa News	Delhi Fire : सेलेक्ट सिटी मॉल के सिनेमा हॉल में लगी आग, फिल्म देख रहे लोगों में ...	N/A
28.	Bharat Express	Gautam Adani Reflects On His Service At Maha Kumbh; Embracing The Spirit Of 'Ter...	N/A
29.	Republicbiz	Gautam Adani reflects on Maha Kumbh, recalls “special experience”	N/A
30.	Jharkhand Weekly	महाकुंभ की अब अशेष स्मृतियां: सेवाकार्यों की समाप्ति के बाद गौतम अदाणी को हुई सु...	N/A
31.	Bharat Samachar News Channel	महाकुंभ की समाप्ति पर गौतम अदाणी ने साझा किए अपने अनुभव, बोले- तेरा तुझको अर्पण	N/A
32.	Khabron Ki Duniya 24	महाकुंभ सेवा के बाद गौतम अदाणी बोले – तेरा तुझको अर्पण	N/A
33.	Ndtv Profit	महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सेवा को गौतम अदाणी ने बताया अपना सौभाग्य, बोले- 'तेर...	N/A
34.	PRATAH NEWZ	महाकुंभ सेवा के बाद गौतम अदाणी बोले – तेरा तुझको अर्पण	N/A
35.	Bharat Express	Gautam Adani said after the Maha Kumbh: کہا نے اذانی گوتم بعد کے سیوا کنبہ مہا	N/A
36.	Bharat Express	Mahakumbh सेवा के बाद Gautam Adani बोले – तेरा तुझको अर्पण	N/A
37.	Ebm News	'तेरा तुझको अर्पण', महाकुंभ सेवा के बाद Gautam Adani ने देशवासियों से शेयर किए ...	N/A
38.	Ndtv Profit	Gautam Adani Recalls "Special Experience" At Maha Kumbh Mela Manage your d ata	N/A
39.	Ebm News	Gautam Adani Reflects On Maha Kumbh, Recalls “Special Experience” News24 –	N/A
40.	सूरज वार्ता	महाकुंभ का दर्शन, तेरा तुझको अर्पण... महाकुंभ में सेवा का अनुपम अनुभव: गौतम अदाण...	N/A